शिक्षण समिती क।। नेसरी

तुकाराम कृष्णाजी कोलेकर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नेसरी

हिंदी विभाग

|  |  |
| --- | --- |
| विषय | पाठयक्रम उद्देश्य |
| प्रश्नपत्र -1 और II साहित्य जगत | 1 छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रूचि बढाना तथा छात्रो को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना ।  2. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधी गद्यकारों एंव कवियों से परिचित कराना ।  3 . छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठण एंव लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना ।  4. निबंध, कहानी, रेखाचि़त्र, एकांकी, रिपोर्ताज, संस्मरण, व्यंग्य आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास करना ।  5 . छात्रों में नैतिेक मूल्य, राष्टीªय मूल्य एंव उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण करना ।  6. छात्रों में रा़ष्ट्र के प्रति प्रेम,राष्टीªय ऐक्य स्थापना एवं सामाजिक प्रतिबद्धता हेतु राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार करना ।  7. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढावा देना । |
|  |  |
| प्रश्नपत्र-तीन सत्र -3 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित् | 1 .कथा साहित्य का स्वरूप,तत्व एवं प्रकारो का अध्ययन कराना।  2. समी़क्षा मानदंडो के आधार पर कथा साहित्य का अध्ययन कराना।  3. कथा कथेत्तर साहित्य का वर्तमान प्रासंगिकता के साथ अध्ययन कराना।  कथा और कथेत्तर साहित्य का वर्तमान प्रासंगिकता के साथ अध्ययन कराना। |
| सत्र- 3  प्रश्नपत्र-4 हिंदी संतकाव्यधारा तथा राष्ट्रीय काव्यधारा | 1. छात्रों का हिंदी साहित्य के प्रति रूचि बढाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।  2. छात्रों को मध्यकालिन हिंदी कवियों से परिचित कराना।  3. छात्रों में नैतिक मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण करना।  4. छात्रों को आधुनिक हिंदी कविता में विविध विमर्शाे से परिचित कराना। |
|  |  |
| सत्र-4 प्रश्नपत्र -5 रोजगार परक हिंदी | 1. छात्रों में हिंदी में कार्य करने की विचार क्षमता,कल्पनाशीलता एवं रूची विकसित करना।  2. रोजगार उन्मुख शि़क्षा एवं कौशल प्रदान कराना।  3. कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल ज्ञान विकसित करना।  4 .पत्राधार के स्वरूप् का परिचय कराना।  5. अनुवाद और व्यवहारिक लेखन का महत्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।  6. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठण एवं लेखन कौशल को विकसित कराना। |
|  |  |
| सत्र-4  प्रश्नपत्र-6 कितने प्रश्न करू | 1.छात्रों को हिंदी कवियों से परिचित कराना।  2 .छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठण एवं लेखन की क्षमता को विकसित कराना।  3 छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रूचि बढाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।  4. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण कराना। |
|  |  |
| प्रश्नपत्र-7 और 12  विधा विशेष का अध्ययन | 1 .नाटककार कुसुमकुमार की बहुमुखी प्रतिभा से परिचित कराना ।  2. नाटककार कुसुमकुमार के साहित्य से परिचित कराना ।  3 .नाटककार कुसुमकुमार की विचारधारा से परिचित कराना ।  4. नाटककार कुसुमकुमार के निर्धारित ग्रंथ का सुक्ष्म आलोचनात्मक अध्ययन कराना ।  5. लेखिका के नाटककार के रूप में साहित्यिक स्थान को निर्धारित कराना ।  6. उपन्यास के तात्विक स्वरूप का परिचय देना ।  7. उपन्यासकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना ।  8. रचना विशेष का महत्व समझने एंव मूल्यांकन करने की क्षमता बढाना ।  9. रचना के अस्वादन एंव समीक्षा की क्षमता विकसित कराना ।  10. पाठयक्रम में निर्धारित उपन्यास की प्रासंगिकता से अवगत कराना । |
| प्रश्नपत्र -8 और 13 साहित्यशास्त्र | 1 .साहित्य -निर्मिती की प्रक्रिया का बोध कराना ।  2. साहित्य - के विभिन्न अंगों, भेदां से परिचित कराना ।  3. साहित्य -काव्य की नवीन विधाओं से परिचित कराना ।  4. समीक्षा सिद्धांतों से परिचित कराना ।  5. साहित्य -काव्य के तत्वा सें परिचित कराना ।  6. अलंकारों से परिचित कराना । |
|  |  |
| प्रश्नपत्र-9 और 14  हिंदी साहित्य का इतिहास | 1 .हिंदीभाषा तथा साहित्य की विकास यात्रा से अवगत कराना ।  2. हिंदी साहित्य कि विकास यात्रा में हिंदी भाषा के माध्यम से अलग-अलग विचार धारा और प्रवृत्तियों से अवगत कराना।  3. छात्रों में साहित्य समझने तथा उसका आस्वादन, मूल्यांकन करने की दृष्टिको बढाना ।  4. छात्रों को साहित्य के संदभ मे विभिन्न साहित्यिक विधाओं के विकासक्रम से परिचित कराना ।  5.छात्रों को युगीन सामाजिक, राजनितिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य मेंहिंदी से अवगत कराना।  6. इतिहासकारों द्वारा प्रस्तुत काल विभाजन और नामकरण कोजानने के लिए प्रेरित कराना ।  7. हिंदी के प्रमुख संत कवि,उनकी रचनाएँ और उनका समाजसुधार मंे योगदान से परिचित कराना ।  8. हिंदी साहित्य के अंतर्गत गद्य-पद्य विधा और उसके उप भेदों से अवगत कराना ।  9. आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक के संत, महात्मा, लेखक, कवियों की विचारधारा और उनके द्वारा निर्मित साहित्य का सामान्य परिचय कराना । |
|  |  |
| प्रश्नपत्र-10 और 15  प्रयोजनमुलक हिंदी | 1. हिंदी में कार्य करने की रूचि विकसित करना ।  2. रोजगार उन्मुख शिक्षा एंव कौशल्य प्रदान कराना।  3. पारिभाषिक शब्दावली से परिचित कराना।  4. सरकारी पत्राचार के स्वरूप का परीचय कराना ।  5. जनसंचार एंव इलेक्टानिक माध्यमों से परिचय कराना ।  6. अनुवाद स्वरूप, महत्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना ।  7. रोजगार परक हिंदी की उपयोगिता स्पष्ट कराना । |
|  |  |
| प्रश्नपत्र-11और-16  भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा | 1.भाषा के विविध रूपो का परिचय कराना ।  2.भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय कराना ।  3.हिंदी भाषा एंव लिपी के उद्भव और विकास का परिचय कराना ।  4.भाषा की शुद्धता के प्रति छात्रों को जागृत कराना ।  5.मनक हिंदी वर्तनी और व्याकरण से छात्रेा को परिचित कराना । |